ख्वाहिश एक अधूरी कर

वक्त जरूरत पूरी कर
ख्वाहिश एक अधूरी कर।

दिन में काम जरूरी कर
रात में नींदिया पूरी कर।

मुट्ठी खोल के मत दिखला
बात हमेशा पूरी कर।

आधी रोटी बांट खिला
चोर से अच्छी दूरी कर।

बुढ़ापे की लाठी है
काम से मत चोरी कर।

मर्द की बैठक दूर भली
घर में मोरी जरूरी कर।

—तसलीम अहमद